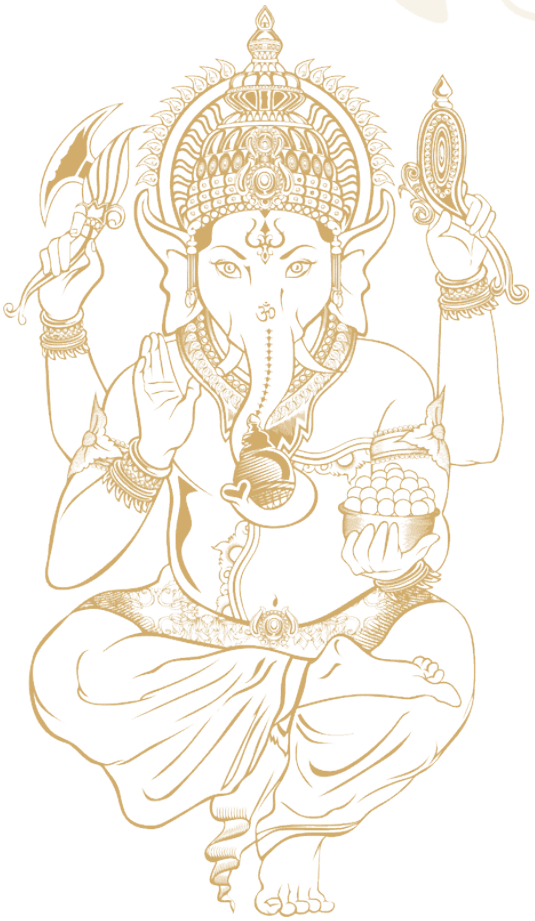

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/07/2002	जन्म तिथि	31/08/2002
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	14:10:00 घंटे
घटी 18:13:49	जन्म समय(घटी)	20:34:44 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Hathras
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:27:28	सूर्योदय	05:56:06
19:17:05	सूर्यास्त	18:39:54
23:53:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 13वर्ष 5मा 17दि	23:44:49	कन्या	लग्न	धनु	00:55:32	चन्द्र 4वर्ष 10मा 22दि
चन्द्र	19:13:03	मिथु	सूर्य	सिंह	13:53:15	राहु
22/12/2021	17:41:22	मेष	चंद्र	वृष	16:48:18	24/07/2014
22/12/2031	00:44:33	कर्क	मंगल	सिंह	07:13:29	24/07/2032
चन्द्र 22/10/2022	02:14:52	मिथु	बुध	कन्या	10:59:31	राहु 05/04/2017
मंगल 23/05/2023	00:00:13	कर्क	गुरु	कर्क	12:28:38	गुरु 30/08/2019
राहु 21/11/2024	29:47:00	कर्क	शुक्र	कन्या	29:31:06	शनि 06/07/2022
गुरु 23/03/2026	27:52:32	वृष	शनि	मिथु	03:41:25	बुध 22/01/2025
शनि 23/10/2027	23:46:04	वृष	राहु	वृष	19:56:31	केतु 10/02/2026
बुध 23/03/2029	23:46:04	वृश्चि	केतु	वृश्चि	19:56:31	शुक्र 10/02/2029
केतु 22/10/2029	04:32:37	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	02:31:03	सूर्य 04/01/2030
शुक्र 23/06/2031	16:24:50	मक व	नेप व	मक	14:56:17	चन्द्र 06/07/2031
सूर्य 22/12/2031	21:40:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:01:03	मंगल 24/07/2032

लग्न-चलित

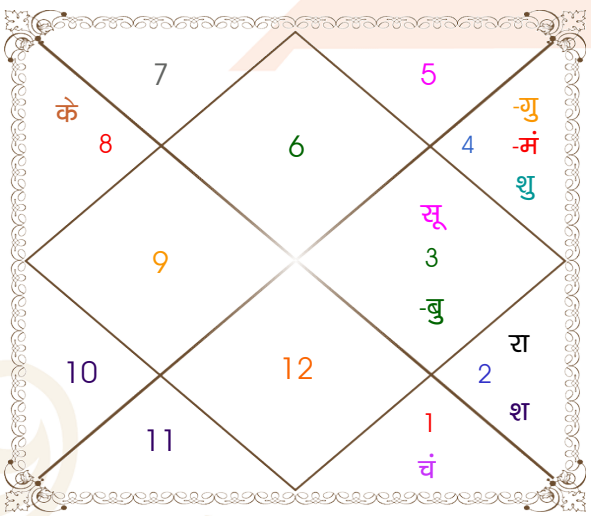

लग्न-चलित

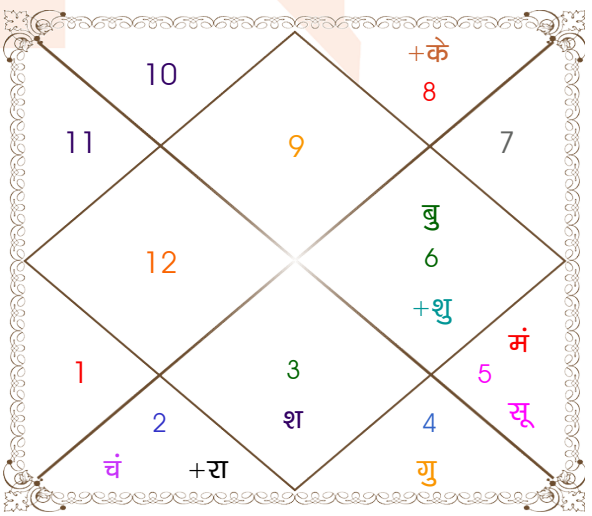

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।